



बिहार गजट

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 15 पटना, बुधवार, 23 चैत्र 1944 (श०)
13 अप्रील 2022 (ई०)

विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग-1— नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और व्यक्तिगत सूचनाएं।	अन्य 2-15
भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश।	---
भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई०ए०, आई०एससी०, बी०ए०, बी०एससी०, एम०ए०, एम०एससी०, लॉ भाग-1 और 2, एम०बी०बी०एस०, बी०एस०ई०, डीप०-इन-एड०, एम०एस० और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि।	---
भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि	---
भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।	---
भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण।	---
भाग-4—बिहार अधिनियम	---
	पूरक
	पूरक-क
भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---
भाग-7—संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है।	---
भाग-8—भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---
भाग-9—विज्ञापन	---
भाग-9-क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं	---
भाग-9-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।	---

भाग-1

नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।

बिहार विधान सभा सचिवालय

अधिसूचनाएं

1 अप्रैल 2022

सं० बि०वि०सं०-01/2020-709/वि०सं०।--सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह प्रकाशित किया जाता है कि माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा ने बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-292 त के तहत वर्ष 2021-22 के लिए गठित सप्तदश बिहार विधान सभा की बिहार विरासत विकास समिति का कार्यकाल पुनर्गठन होने तक वर्ष 2022-23 के लिए निम्न प्रकार से विस्तारित किया है:-

1. श्री भाई वीरेन्द्र	सं०वि०सं०	सभापति
2. श्री कुमार सर्वजीत	सं०वि०सं०	सदस्य
3. श्री विनय बिहारी	सं०वि०सं०	सदस्य
4. श्री राजेश कुमार	सं०वि०सं०	सदस्य
5. श्री विद्या सागर केशरी	सं०वि०सं०	सदस्य
6. श्री पवन कुमार यादव	सं०वि०सं०	सदस्य
7. श्री मुकेश कुमार रौशन	सं०वि०सं०	सदस्य
8. श्री ऋषि कुमार	सं०वि०सं०	सदस्य
9. श्री अजीत कुमार सिंह	सं०वि०सं०	सदस्य
10. श्री विश्व नाथ राम	सं०वि०सं०	सदस्य
11. श्री विजय कुमार सिंह उर्फ डब्लू सिंह	सं०वि०सं०	सदस्य
12. श्री अमन भूषण हजारी	सं०वि०सं०	सदस्य

श्री भाई वीरेन्द्र, सं०वि०सं० इस समिति के सभापति एवं सभा सचिव इसके सचिव होंगे।

अध्यक्ष, बिहार विधान-सभा के आदेश से,
शैलेन्द्र सिंह, सचिव।

8 मार्च 2022

सं० क्र०वि०सं०-02/1994-1147/वि०सं०।--बिहार विधान सभा सचिवालय की अधिसूचना सं०-4958, दिनांक-30.09.2021 एवं अधिसूचना सं०-3014, दिनांक-16.11.2021 के क्रम में श्री राज कुमार राम, उप सचिव के सेवानिवृत्ति के फलस्वरूप उनके स्थान पर श्री पवन कुमार सिन्हा, उप सचिव को क्रय समिति के सदस्य के रूप में नामित किया जाता है।

अध्यक्ष, बिहार विधान-सभा के आदेश से,
प्रमोद कुमार सिंह, उप सचिव।

1 अप्रैल 2022

सं० प्रश्न एवं ध्या०सं०-02/2020-1715/वि०सं०।--सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह प्रकाशित किया जाता है कि बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-292(क)(1) के अधीन माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा ने वर्ष 2022-23 के लिए बिहार विधान सभा की "प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति" का पुनर्गठन होने तक वर्ष 2021-22 के लिए गठित प्रश्न एवं ध्यानाकर्षण समिति के कार्यकाल का विस्तार किया है, जो निम्न प्रकार है :-

1. श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय	संवि०स०	सभापति
2. श्री महबूब आलम	संवि०स०	सदस्य
3. श्री अशोक कुमार	संवि०स०	सदस्य
4. डॉ० सी० एन० गुप्ता	संवि०स०	सदस्य
5. श्री आनन्द शंकर सिंह	संवि०स०	सदस्य
6. श्री सुनील मणि तिवारी	संवि०स०	सदस्य
7. श्री मिश्री लाल यादव	संवि०स०	सदस्य
8. श्री मोहम्मद कामरान	संवि०स०	सदस्य
9. श्री पंकज कुमार मिश्र	संवि०स०	सदस्य

श्री अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय, संवि०स० इस समिति के सभापति एवं बिहार विधान सभा सचिव इसके सचिव होंगे ।

अध्यक्ष, बिहार विधान-सभा के आदेश से,
शैलेन्द्र सिंह, सचिव।

1 अप्रील 2022

सं० आवास-05/20-1768/वि०स०।--सर्वसाधारण की जानकारी के लिए यह प्रकाशित किया जाता है कि बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-259 (1) के अधीन माननीय अध्यक्ष, बिहार विधान सभा द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए बिहार विधान सभा की आवास समिति का पुनर्गठन होने तक वर्ष 2021-22 के लिए गठित इस समिति के कार्यकाल को विस्तारित किया गया है, जो निम्न प्रकार है :-

1. श्री अशोक कुमार चौधरी	संवि०स०	सभापति
2. श्री सुधाकर सिंह	संवि०स०	सदस्य
3. श्री राम चन्द्र प्रसाद	संवि०स०	सदस्य
4. श्री विनय कुमार चौधरी	संवि०स०	सदस्य
5. श्री मोहम्मद अनजार नईमी	संवि०स०	सदस्य ।

श्री अशोक कुमार चौधरी, संवि०स० इस समिति के सभापति तथा बिहार विधान सभा के सचिव इसके सचिव होंगे ।

अध्यक्ष, बिहार विधान-सभा के आदेश से,
शैलेन्द्र सिंह, सचिव।

ग्रामीण विकास विभाग

अधिसूचनाएं
31 मार्च 2022

सं० ग्रा०वि०-14(सा०)गो०- 01/2016-845773--श्री उमेश कुमार सिंह, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, भोरे, गोपालगंज सम्प्रति सहायक परियोजना पदाधिकारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, अरवल के विरुद्ध राज्य सूचना आयोग के वाद संख्या-66273/11-12 में पारित आदेश दिनांक 26.11.2015 के आलोक में श्री सिंह द्वारा प्रथम अपीलीय प्राधिकार-सह-अनुमंडल पदाधिकारी, हथुआ के निर्देश के वाद भी आवेदक को वांछित सूचना उपलब्ध नहीं कराने के आरोप पर जिला पदाधिकारी, गोपालगंज के पत्रांक-850 दिनांक 11.08.2017 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त हुआ।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर श्री सिन्हा से स्मारोपरान्त भी स्पष्टीकरण अप्राप्त है ।

श्री सिंह द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित नहीं करना उनकी अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करता है। साथ ही स्पष्टीकरण समर्पित नहीं किया जाना यह भी प्रदर्शित करता है कि प्रतिवेदित आरोप उनके द्वारा स्वीकार किया गया है ।

अतः सम्यक विचारोपरांत श्री उमेश कुमार सिंह, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, भोरे, गोपालगंज सम्प्रति सहायक परियोजना पदाधिकारी, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, अरवल के विरुद्ध “असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि अवरुद्ध” करने का दंड अधिरोपित किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि श्री उमेश कुमार सिंह की चारित्रि पुस्तिका में इस दंड की प्रविष्टि की जाय।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(सा0)सि0- 03/2021-845809--श्री किशोर कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, बसंतपुर (सिवान), सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, कुशेश्वरस्थान पूर्वी (दरभंगा) के विरुद्ध श्री बैद्यनाथ महतो के परिवाद पत्र के आलोक में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, सिवान द्वारा पारित आदेश के अनुसार पंचायती राज विभाग की मार्गदर्शिका के विपरीत आवास का नयी चहार दिवारी का निर्माण कराने एवं बिहार वित्त नियमावली के नियम का उल्लंघन करने के आरोप पर जिला पदाधिकारी, सिवान के पत्रांक- 593/स्था0 दिनांक 05.06.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त हुआ ।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर विभागीय पत्रांक-252190 दिनांक 26.07.2021 द्वारा स्पष्टीकरण पूछा गया एवं स्पष्टीकरण हेतु विभागीय ज्ञापक-630587 दिनांक 16.11.2021 द्वारा स्मारित भी किया गया । श्री कुमार से स्मारोपरान्त भी स्पष्टीकरण अप्राप्त है ।

अतः सम्यक विचारोपरांत श्री किशोर कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, बसंतपुर (सिवान), सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, कुशेश्वरस्थान पूर्वी (दरभंगा) के द्वारा पंचायती राज विभाग की मार्गदर्शिका के विपरीत आवास का नयी चहार दिवारी का निर्माण कराने एवं बिहार वित्त नियमावली के नियम का उल्लंघन करने तथा स्पष्टीकरण समर्पित नहीं करने के अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता के कृत्य के लिए “असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि अवरुद्ध करने के साथ-साथ कड़ी चेतावनी” का दंड अधिरोपित किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि श्री किशोर कुमार की चारित्रि पुस्तिका में इस दंड की प्रविष्टि की जाय।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(सा0)सि0-13/2020-845848--श्री अलाउद्दीन अंसारी, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह- प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, लकड़ीनवीगंज, सिवान के विरुद्ध आंगनबाड़ी केन्द्र को मृत घोषित कर देने, प्रखंड में आंगनबाड़ी कमीशन की भेट चढ़ जाने, प्रत्येक आंगनबाड़ी केन्द्र से 2500 रु० की अवैध वसूली करने, निर्गत पंजी में पांच पत्रांक दिनांक खाली रखने आदि के आरोपों पर विशेष सचिव, समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2731 दिनांक 15.07.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त हुआ।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर श्री अंसारी से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया ।

श्री अंसारी के विरुद्ध आरोप, समाज कल्याण विभाग के पत्रांक-1819 दिनांक 16.03.2020 से प्राप्त अनुशंसा एवं उक्त आरोपों पर श्री अंसारी द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण पर विभाग द्वारा समीक्षा की गयी ।

अतः सम्यक विचारोपरांत समाज कल्याण विभाग के अनुशंसा के आलोक में श्री अलाउद्दीन अंसारी, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, लकडीनवीगंज, सिवान सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, साहेबगंज, मुजफ्फरपुर के विरुद्ध “चेतावनी” का दंड अधिरोपित किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि श्री अलाउद्दीन अंसारी की चारित्रि पुस्तिका में इस दंड की प्रविष्टि की जाय।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(सा0)सि0- 02/2021-845881--मो0 आसिफ, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, बसंतपुर (सिवान), सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, नीमचकबथानी (गया) के विरुद्ध पंचायती राज विभाग की मार्गदर्शिका के विपरीत सरकारी आवास का जीर्णोद्धार पंचम वित्त आयोग की राशि से करवाने, सरकारी दिशानिर्देशों की अवहेलना कर मनमाना कार्य करने एवं सरकारी राशि के अपव्यय करने के आरोपों पर जिला पदाधिकारी, सिवान के पत्रांक- 584/स्था0 दिनांक 03.06.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त हुआ ।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर मो0 आसिफ से विभागीय पत्रांक-502174 दिनांक 26.07.2021 द्वारा स्पष्टीकरण पूछा गया एवं स्पष्टीकरण हेतु विभागीय ज्ञापांक 630595 दिनांक 16.11.2021 द्वारा स्मारित भी किया गया । मो0 आसिफ से स्मारोपरान्त भी स्पष्टीकरण अप्राप्त है ।

अतः सम्यक विचारोपरांत मो0 आसिफ, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, बसंतपुर (सिवान), सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, नीमचकबथानी (गया) के द्वारा पंचायती राज विभाग की मार्गदर्शिका के विपरीत सरकारी आवास का जीर्णोद्धार पंचम वित्त आयोग की राशि से करवाने, सरकारी दिशानिर्देशों की अवहेलना कर मनमाना कार्य करने एवं सरकारी राशि के अपव्यय करने तथा स्पष्टीकरण समर्पित नहीं करने के अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता के कृत्य के लिए “असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि अवरुद्ध करने के साथ-साथ कड़ी चेतावनी” का दंड अधिरोपित किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि मो0 आसिफ की चारित्रि पुस्तिका में इस दंड की प्रविष्टि की जाय।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(को0)सु0-07/2020-845928--श्री प्रेम कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सलखुआ, सहरसा सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, बिथान (समस्तीपुर) के विरुद्ध प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सलखुआ (सहरसा) के पद पर रहते हुये मई, 2019 में टी0एच0आर0/एच0सी0एम0 वितरण नहीं करने के आरोप में समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक- 2368 दिनांक 22.06.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त है ।

समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना द्वारा प्रतिवेदित आरोप पर श्री कुमार से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया जिसमें उनके द्वारा स्पष्ट किया गया है कि मई, 2019 में सहरसा जिले में सभी परियोजनाओं में विलंब से कोषागार से राशि की निकासी के कारण टी0एच0आर0 /एच0सी0एम0 वितरण नहीं हो पाया ।

समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवेदित आरोप एवं आरोपी पदाधिकारी के स्पष्टीकरण की समीक्षा की गई। समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री कुमार के द्वारा टी0एच0आर0/एच0सी0एम0 के वितरण में लापरवाही बरती गयी है। इनका स्पष्टीकरण स्वीकार योग्य नहीं है।

अतएव सम्यक विचारोपरांत श्री प्रेम कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह- प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सलखुआ, सहरसा सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, बिथान (समस्तीपुर) द्वारा कार्य में लापरवाही व पदीय दायित्वों के निर्वहन में चूक के लिये इनके विरुद्ध 'असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि पर रोक' का दंड अधिरोपित किया जाता है।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(सा0)सा0-02/2021-845966--श्री राजीव कुमार सिन्हा, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, मढ़ौरा (सारण), सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, करपी, अरवल के विरुद्ध मुख्यालय से अनधिकृत रूप से अनुपस्थिति, निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में लापरवाही, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान अन्तर्गत लाभुकों के शौचालय का जीयो टैगिंग, आधार अपडेशन एवं प्रोत्साहन राशि के भुगतान में लापरवाही एवं शिथिलता बरतने, कारण पृच्छा का जबाव नहीं देने, स्वेच्छाचारिता एवं कर्तव्यहीनता, मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना में असंतोषजनक उपलब्धि, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अन्तर्गत लक्ष्य के विरुद्ध आवासों की स्वीकृति, प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किस्त की भुगतान एवं आवासों की पूर्णता की स्थिति काफी असंतोषजनक रहने, दिनांक-09.01.2020 को जिला स्तर पर निर्धारित विडियो कॉन्फ्रेंसिंग एवं दिनांक 08.09.2020 को उप विकास आयुक्त, सारण की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षात्मक बैठक में अनुपस्थित रहने, कोविड-19 संक्रमण से संबंधित विडियो कॉन्फ्रेंसिंग में विलंब से उपस्थित होने, नल-जल योजना, नली-गली योजना, टीकाकरण कार्य आदि सभी में प्रखंड के रैंकिंग निम्न पायदान पर रहने, विकास कार्यों में अभिरुचि नहीं लेने जैसे आरोपों पर जिला पदाधिकारी, सारण (छपरा) के पत्रांक-2376 दिनांक 17.06.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त हुआ।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर श्री सिन्हा से स्मारोपरान्त भी स्पष्टीकरण अप्राप्त है।

अतः सम्यक विचारोपरांत श्री राजीव कुमार सिन्हा, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, मढ़ौरा (सारण), सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, करपी, अरवल के विरुद्ध विकास कार्यों में अभिरुचि नहीं लेने, आपदा संबंधी कार्य, मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) सहित वैश्विक महामारी की स्थिति में भी अपेक्षित सहयोग नहीं करने के कृत्य के लिए असंचयात्मक प्रभाव से "दो वेतन वृद्धि अवरुद्ध करने का दंड" अधिरोपित किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि श्री राजीव कुमार सिन्हा की चारित्रि पुस्तिका में इस दंड की प्रविष्टि की जाय।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं० ग्रा०वि०-14(सा०)सि०-12/2020-845992--मो० अलाउद्दीन अंसारी, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह- प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, लकड़ीनवीगंज, सिवान सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, साहेबगंज (मुजफ्फरपुर) के विरुद्ध प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, लकड़ीनवीगंज (सिवान) के पद पर रहते हुये मई, 2019 में टी०एच०आर०/एच०सी०एम० वितरण नहीं करने के आरोप में समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2367 दिनांक 22.06.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त है।

समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना द्वारा प्रतिवेदित आरोप पर मो० अंसारी से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया जिसमें उनके द्वारा स्पष्ट किया गया है कि माह अप्रैल एवं जून, 2019 में टी०एच०आर०/एच०सी०एम० हेतु परियोजना के सभी सेविकाओं के खाते में पोषाहार राशि का अंतरण कराते हुए टी०एच०आर० उपलब्ध कराया गया। मई, 2019 में सी०एफ०एम०एस० का नव कार्यान्वयन होने एवं तकनीकी समस्या के कारण उस माह की पोषाहार राशि सेविकाओं के पी०भी०के०सी० के खाते में अंतरित नहीं किया जा सका।

समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवेदित आरोप एवं आरोपी पदाधिकारी के स्पष्टीकरण की समीक्षा की गई। समीक्षोपरान्त पाया गया कि मो० अंसारी के द्वारा टी०एच०आर०/एच०सी०एम० वितरण में लापरवाही बरती गयी है। इनका स्पष्टीकरण स्वीकार योग्य नहीं पाया गया।

अतएव सम्यक विचारोपरांत मो० अलाउद्दीन अंसारी, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह- प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, लकड़ीनवीगंज, सिवान सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, साहेबगंज (मुजफ्फरपुर) द्वारा कर्तव्य में बरती गई उक्त लापरवाही एवं पदीय दायित्वों के निर्वहन में चूक के लिए इन्हें 'निंदन' (आरोप वर्ष-2019-20) का दंड अधिरोपित किया जाता है।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी०, सचिव।

31 मार्च 2022

सं० ग्रा०वि०-14(सा०)सि०-05/2020-846020--श्री अभय कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह- प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, भगवानपुर हाट, सिवान सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, बैरगनिया (सीतामढ़ी) के विरुद्ध प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, भगवानपुर हाट (सिवान) के पद पर रहते हुये मई, 2019 में टी०एच०आर०/एच०सी०एम० वितरण नहीं करने के आरोप में समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2374 दिनांक 22.06.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त है।

समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना द्वारा प्रतिवेदित आरोप पर श्री कुमार से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया जिसमें उनके द्वारा स्पष्ट किया गया है कि मई, 2019 में तकनीकी कारणों से टी०एच०आर० की निकासी नहीं हो पाई थी, क्योंकि पहली बार सी०एफ०एम०एस० लागू हुआ था।

समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवेदित आरोप एवं आरोपी पदाधिकारी के स्पष्टीकरण की समीक्षा की गई। समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री कुमार के द्वारा टी०एच०आर०/एच०सी०एम० के वितरण में लापरवाही बरती गयी है। इनका स्पष्टीकरण स्वीकार योग्य नहीं है।

अतएव सम्यक विचारोपरांत श्री अभय कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह- प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, भगवानपुर हाट, सिवान सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, बैरगनिया (सीतामढ़ी) द्वारा कार्य में लापरवाही व पदीय दायित्वों के निर्वहन में चूक के लिये इनके विरुद्ध 'असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि पर रोक' का दंड अधिरोपित किया जाता है।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(को0)सु0-03/2020-846048--श्री अरविन्द कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सरायगढ़, सुपौल सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, सतरकटैया (सहरसा) के विरुद्ध प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सलखुआ (सहरसा) के पद पर रहते हुये अप्रैल एवं मई, 2019 में टी0एच0आर0/एच0सी0एम0 वितरण नहीं करने के आरोप में समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2373 दिनांक 22.06.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त है ।

समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना द्वारा प्रतिवेदित आरोप पर श्री कुमार का स्पष्टीकरण अप्राप्त है ।

अतएव सम्यक विचारोपरांत श्री अरविन्द कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सरायगढ़, सुपौल सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, सतरकटैया (सहरसा) द्वारा कार्य में लापरवाही व पदीय दायित्वों के निर्वहन में चूक के लिये इनके विरुद्ध 'असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि पर रोक' का दंड अधिरोपित किया जाता है।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है ।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(को0)सु0-05/2020-846085--श्री अरविन्द कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, पिपरा, सुपौल सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, रानीगंज (अररिया) के विरुद्ध प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, पिपरा (सुपौल) के पद पर रहते हुये मई, 2019 में टी0एच0आर0/एच0सी0एम0 वितरण नहीं करने के आरोप में समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक-2370 दिनांक 22.06.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त है ।

समाज कल्याण विभाग, बिहार, पटना द्वारा प्रतिवेदित आरोप पर श्री कुमार का स्पष्टीकरण अप्राप्त है ।

समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रतिवेदित आरोप की समीक्षा की गई । समीक्षोपरान्त पाया गया कि श्री कुमार के द्वारा टी0एच0आर0/एच0सी0एम0 वितरण नहीं किये जाने की लापरवाही एवं कर्तव्यहीनता, पदीय दायित्वों के निर्वहन में चूक तथा बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली-1976 के नियम-3 (1)(i)(ii) एवं (iii) के प्रतिकूल है ।

अतएव सम्यक विचारोपरांत श्री अरविन्द कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी-सह-प्रभारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, पिपरा, सुपौल सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, रानीगंज (अररिया) द्वारा टी0एच0आर0/एच0सी0एम0 वितरण नहीं किये जाने की लापरवाही एवं कर्तव्यहीनता, पदीय दायित्वों के निर्वहन में चूक तथा बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली- 1976 के नियम-3 (1)(i)(ii) एवं (iii) के प्रतिकूल कार्य के लिए इन्हें 'असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि पर रोक' का दंड पत्र निर्गत की तिथि से अधिरोपित किया जाता है।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है ।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(पटना)ना0-03/2018-846102--श्री मुकेश कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, अस्थावां, नालंदा के द्वारा प्राप्त आवेदन पत्र पर सात माह तक कार्रवाई नहीं करने के आरोप पर जिला पदाधिकारी, नालंदा के पत्रांक- 555 दिनांक-19.04.2018 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त है।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर श्री कुमार से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया, जिसमें प्रतिवेदित है कि आवेदक का आवेदन प्रखंड कार्यालय, अस्थावां में 06.12.2016 को प्राप्त हुआ है जबकि मैं दिनांक-16.09.2016 से 13.12.2016 तक कुल 89 दिन मानसिक अवसाद (Depression) के कारण छुट्टी पर था । मेरी अनुपस्थिति में तत्कालीन अंचलाधिकारी, अस्थावां श्री रविशंकर पाण्डेय, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अस्थावां के प्रभार में थे । आवेदक के आवेदन को उनके द्वारा 06.12.2016 को देखा गया और पंचायत सचिव को जांच करने के लिए इंगित किया गया । लेकिन कार्यालय लिपिक द्वारा इसे आगत पंजी में दर्ज नहीं किया गया । आगत पंजी में दर्ज नहीं होने के कारण आवेदक का आवेदन मेरे संज्ञान में नहीं आ सका ।

श्री कुमार के विरुद्ध जिला पदाधिकारी से प्रतिवेदित आरोप एवं स्पष्टीकरण की समीक्षा विभाग द्वारा की गयी । समीक्षोपरांत यह पाया गया कि श्री कुमार के द्वारा अपने स्पष्टीकरण के साथ पूर्ण साक्ष्य समर्पित नहीं किया गया है । इनका स्पष्टीकरण स्वीकार योग्य नहीं है ।

अतः सम्यक विचारोपरांत श्री मुकेश कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, अस्थावां, नालंदा सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, भगवानपुर, बेगुसराय को 'चेतावनी' का दंड अधिरोपित किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि श्री मुकेश कुमार की चारित्रि पुस्तिका में इस दंड की प्रविष्टि की जाय।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(कोशी)सु0-01/2021-846125--श्रीमती ममता कुमारी, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, त्रिवेणीगंज, सुपौल सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, भरगामा, अररिया के द्वारा लोक शिकायत निवारण संबंधित मामला के निर्वहन में लापरवाही एवं शिथिलता बरतने एवं उच्चाधिकारी के आदेश की अवहेलना करने के आरोप पर जिला पदाधिकारी, सुपौल के पत्रांक-1572/स्था० दिनांक 06.02.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त है।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर श्रीमती कुमारी से स्पष्टीकरण अप्राप्त है ।

श्रीमती ममता कुमारी के विरुद्ध जिला पदाधिकारी से प्रतिवेदित आरोप की समीक्षा विभाग द्वारा किया गया। समीक्षोपरांत पाया गया कि श्रीमती कुमारी के द्वारा कई स्मारों के बावजूद स्पष्टीकरण समर्पित नहीं किया जाना अनुशासनहीनता एवं स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करता है ।

अतः सम्यक श्रीमती ममता कुमारी, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, त्रिवेणीगंज, सुपौल सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, भरगामा, अररिया को उक्त कृत्य के लिए 'चेतावनी' दिया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि श्रीमती ममता कुमारी की चारित्रि पुस्तिका में इस दंड की प्रविष्टि की जाय।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(द0)सम0-04/2019-846713--श्री सुनील कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, विद्यापतिनगर (समस्तीपुर) के विरुद्ध उक्त पद पर योगदान की तिथि से अबतक प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान एवं इंदिरा आवास योजना की प्रगति अत्यंत नगण्य रहने के आरोपों पर उप विकास आयुक्त, समस्तीपुर के पत्रांक-1539/अभि0 दिनांक 18.06.2019 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त हुआ ।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर श्री कुमार से विभागीय पत्रांक-459650 दिनांक-06.03.2020 द्वारा स्पष्टीकरण पूछा गया एवं स्पष्टीकरण हेतु कई विभागीय पत्रों के द्वारा स्मारित भी किया गया । श्री सुनील कुमार से स्मारोपरान्त भी स्पष्टीकरण अप्राप्त है ।

अतः सम्यक विचारोपरांत श्री सुनील कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, विद्यापतिनगर (समस्तीपुर), सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, हरसिद्धि (पूर्वी चम्पारण) के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान एवं इंदिरा आवास योजना की प्रगति अत्यंत नगण्य रहने तथा स्पष्टीकरण समर्पित नहीं करने के अनुशासनहीनता, स्वेच्छाचारिता एवं वरीय पदाधिकारी के आदेश की अवहेलना के कृत्य के लिए "असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतन वृद्धि अवरुद्ध करने का दंड" अधिरोपित किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि श्री सुनील कुमार की चारित्री पुस्तिका में इस दंड की प्रविष्टि की जाय।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(को0)मधे0-01/2020-846727--श्री अमित कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, ग्वालपाड़ा, मधेपुरा के विरुद्ध बी०एल०ओ० के मानदेय भुगतान हेतु उप आवंटित राशि की निकासी/व्यय नहीं करने के लिए जिला पदाधिकारी, मधेपुरा के पत्रांक-345 दिनांक 20.06.2020 द्वारा आरोप पत्र उपलब्ध कराया गया।

उक्त आरोपों पर श्री कुमार का स्पष्टीकरण अप्राप्त है ।

श्री अमित कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप की समीक्षा विभाग द्वारा की गयी एवं अधिसूचना संख्या-332760 दिनांक- 11.12.2020 के द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी ।

विभागीय कार्यवाही संचालनोंपरांत संचालन पदाधिकारी का जांच प्रतिवेदन प्राप्त है । संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जांच प्रतिवेदन पर श्री कुमार का लिखित अभ्यावेदन अप्राप्त है ।

संचालन पदाधिकारी से प्राप्त जांच प्रतिवेदन की समीक्षा विभाग द्वारा की गयी । समीक्षोपरांत पाया गया कि श्री अमित कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, ग्वालपाड़ा द्वारा कोषागार में विपत्र प्रस्तुत करने में विलम्ब हुआ जिसके कारण 1,77,74,103/- रुपये की राशि प्रत्यर्पित करना पड़ा । श्री कुमार ने सी०एफ०एम०एस० पोर्टल के धीमे होने एवं दिनांक- 24.03.2020 को विपत्र पर आपत्ति लगाने तथा दिनांक-25.03.2020 को राशि की निकासी पर रोक लगाने के कारण राशि की निकासी नहीं हो पाने के कारण राशि प्रत्यर्पित करने का कारण बताया है । फिर भी कुछ हद तक श्री कुमार दोषी प्रतीत होते हैं।

अतएव सम्यक विचारोपरांत श्री अमित कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, ग्वालपाड़ा, मधेपुरा सम्प्रति सहायक परियोजना पदाधिकारी, समस्तीपुर द्वारा कार्य में लापरवाही व पदीय दायित्वों के निर्वहन में चूक के लिये इनके विरुद्ध 'असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि पर रोक' का दंड अधिरोपित किया जाता है।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(पटना)बक्सर-01/2017-846741--श्री अशोक कुमार, तत्कालीन प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, नावानगर, बक्सर सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, कुदरा, कैमूर के विरुद्ध जिला पदाधिकारी, वैशाली के पत्रांक- 10-1762 दिनांक-13.07.2017 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त हुआ। उक्त आरोप पत्र में वर्णित आरोपों पर श्री आलम द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण के समीक्षोपरान्त विभागीय अधिसूचना ज्ञापांक-472925 दिनांक-25.06.2021 द्वारा वर्ष-2017-18 के लिये 'निर्दण्ड' का दंड अधिरोपित किया गया है।

उक्त दंड के विरुद्ध श्री कुमार द्वारा प्रखंड कार्यालय, कुदरा, कैमूर के द्वारा पुनर्विचार अभ्यावेदन प्रस्तुत किया गया । विभाग द्वारा पुनर्विचार अभ्यावेदन की समीक्षा की गयी । समीक्षोपरांत पाया गया कि श्री कुमार के पुनर्विचार अभ्यावेदन में कोई भी नया तथ्य अंकित नहीं किया गया है ।

अतः समीक्षोपरांत श्री कुमार के पुनर्विचार अभ्यावेदन को अस्वीकृत करते हुये इस मामले को संचिकास्त किया जाता है ।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।

31 मार्च 2022

सं0 ग्रा0वि0-14(द०)मधु०-01/2021-846768--श्री रामनाथ कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, फुलपरास (मधुबनी) के द्वारा महालेखाकार (ले०प०), बिहार, पटना के द्वारा उठाये गये वित्तीय मामलों से संबंधित आपतियों का निराकरण नहीं करने व अंकेक्षण प्रतिवेदन को छिपाये/दबाये जाने का प्रयास करने के आरोप पर जिला पदाधिकारी, मधुबनी के पत्रांक-18 दिनांक 05.01.2021 द्वारा आरोप पत्र प्राप्त है ।

उक्त प्रतिवेदित आरोपों पर श्री कुमार से स्पष्टीकरण प्राप्त किया गया, जिसमें उनके द्वारा उल्लेख किया गया है कि वे दिनांक- 14.10.2014 को प्रखंड विकास पदाधिकारी, फुलपरास के पद पर योगदान दिये एवं इस पद से स्थानांतरित होते हुये दिनांक 12.05.2015 को विरमिit हो गये । उक्त कार्यकाल के दौरान प्रभारी लिपिक/नाजिर एवं अन्य सक्षम कर्मों के द्वारा संबंधित मामला उनके संज्ञान में नहीं लाने के कारण नियमानुसार उसका अनुपालन/निष्पादन उनके पदस्थापन अवधि में नहीं हो सका ।

श्री कुमार के विरुद्ध जिला पदाधिकारी, मधुबनी से प्रतिवेदित आरोप एवं तत्संबंध में श्री कुमार के स्पष्टीकरण की समीक्षा विभाग द्वारा की गयी । समीक्षोपरांत यह पाया गया कि श्री कुमार के द्वारा वित्तीय मामलों से संबंधित आपतियों का निराकरण/निष्पादन में लापरवाही बरती गयी है । इनका स्पष्टीकरण स्वीकार योग्य नहीं पाया गया ।

अतः सम्यक विचारोपरांत श्री रामनाथ कुमार, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, फुलपरास (मधुबनी) सम्प्रति प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंधराठाढ़ी, मधुबनी को 'कड़ी चेतावनी' का दंड अधिरोपित किया जाता है।

आदेश दिया जाता है कि श्री रामनाथ कुमार की चारित्रि पुस्तिका में इस दंड की प्रविष्टि की जाय।

उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

आदेश:-आदेश दिया जाता है कि अधिसूचना की प्रति सभी संबंधितों को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी जाय ।




बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
बालामुरुगन डी0, सचिव।






पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

अधिसूचना

4 अप्रिल 2022

सं० बि०व०से०(स्था०)-07/2019-1130/प०व०ज०प०—बिहार लोक सेवा आयोग, पटना के विज्ञापन संख्या-05/2019 के अंतर्गत सहायक वन संरक्षक प्रतियोगिता परीक्षा के परीक्षाफल के आधार पर बिहार लोक सेवा आयोग, बिहार, पटना के पत्रांक-7सी0/परीक्षा-01-02/2019 (77) लो०से०आ०/गो० दिनांक 18.02.2022 द्वारा अनुशंसित निम्नलिखित अभ्यर्थियों को बिहार वन सेवा नियमावली 2013 के नियम 17 के तहत परीक्ष्यमान रूप में सहायक वन संरक्षक के पद पर पुनरीक्षित Level-9 के वेतनमान में समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत जीवन यापन भत्ता एवं अन्य देय भत्तों के साथ अधोलिखित कंडिकाओं में निहित शर्तों के अधीन औपबंधिक रूप से नियुक्त किया जाता है :-

क्र०	संयुक्त मेधा क्रमांक	अनुक्रमांक	अभ्यर्थी का नाम/पता	लिंग	आरक्षण कोटि	जन्म तिथि	फोटोग्राफ
1	01	100245	RAJEEV KUMAR, S/O PRAMOD SAH, WARD NO.-13, VILL.- BHANDARI, P.O.-BHANDARI, P.S. BELSAND, DIST.- SITAMARHI, PIN-843316	M	05	22.01.1991	
2	02	100517	AJAY KUMAR, S/O SHIVRAM SINGH, POORVI SHIVPURAM, GALI NO.-9, ROORKEE UTRAKHAND, PIN-247667	M	01	11.03.1995	
3	03	100889	AMBESH KISHOR, S/O ASHOK KUMAR MANDAL, NEELKAMAL SABJI CHOWK, BARARI, DIS.-BHAGALPUR, PIN-812003	M	05	19.11.1987	

4	04	100439	ANISH KUMAR, S/O MANI BHUSHAN CHOUDHARY, HOUSE NO.-32, SOUTH SECTOR-62, CO-OPERATIVE COLONY, RAJNI CHOWK, BHATTA BAZAR, DIST. PURNIA, PIN-854301	M	05	23.02.1993	
5	05	101680	NUPUR SAINI D/O BALRAM KUMAR SAINI, B 22 R.D. TOWER, BEHIND SBI BANK, NEW PUNAICHAK, DIST.-PATNA, PIN-800023	F	01	23.04.1992	
6	06	100437	SIMMI PRIYANAINA, D/O YOGENDRA KUMAR, VILL+POST- BABURA, P.S.- BARHARA, DIST- BHOJPUR, PIN-802162	F	02	19.03.1992	
7	10	101762	SUBH LAXMI JYOTI D/O LATE SAMIR NANDAN PATHAK, VILL+POST- HABBIPUR, P.S.- PARBALPUR, DIST. NALNDA, PIN-803114	F	07	19.11.1989	
8	35	100624	SATYAM KUMAR S/O RAM PRAVESH RAM, VILL.-DARANAGAR, POST-DARANAGAR, P.S- NAUHATTA, DIST.- ROHTAS, PIN-821304	M	02	18.06.1991	

2. यह नियुक्ति चरित्र एवं पूर्ववृत्त के संबंध में पुलिस सत्यापन प्रतिवेदन प्राप्त होने की प्रत्याशा में की जा रही है। यदि किसी अभ्यार्थी के चरित्र एवं पूर्ववृत्त सत्यापन प्रतिवेदन प्रतिकूल प्राप्त होता है तो उनकी सेवा बिना किसी पूर्व सूचना के तुरंत समाप्त कर दी जायेगी एवं आवश्यक विधिक कार्रवाई भी की जायेगी।

3. भविष्य में इनसे संबंधित सभी प्रमाण-पत्रों के संबंध में गलत सूचना/फर्जी पाये जाने की स्थिति में इनकी सेवा कभी भी बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त कर दी जायेगी एवं आवश्यक विधिसम्मत कार्रवाई भी की जायेगी।

4. वित्त विभाग के संकल्प संख्या-1964 दिनांक-31.08.2005 एवं 768 पे०को० दिनांक 03.07.2007 के अनुसार इन सहायक वन संरक्षकों पर नई अंशदायी पेंशन योजना लागू होगी।

5. बिहार वन सेवा नियमावली, 2013 के नियम 17 के आलोक में उपर्युक्त अभ्यर्थियों की नियुक्ति सहायक वन संरक्षक के रूप में 2 वर्ष के लिए परीक्षा पर की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा अभ्यर्थियों को यथावधारित मान्यता प्राप्त संस्थानों में 2 वर्ष के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण में भेजा जायेगा। परीक्षा पर नियुक्त अभ्यर्थी यदि आलोच्य प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूर्ण करने में असफल रहते हैं तो उस अभ्यर्थी की परीक्षा अवधि अधिकतम 1 साल के लिए बढ़ाई जा सकती है एवं फिर भी यदि वह उक्त बढ़ाई गयी अवधि में प्रशिक्षण को पूरा करने में असफल रहता है तो उसकी सेवा संपुष्ट नहीं की जायेगी तथा उनकी सेवा समाप्त की जायेगी। साथ ही बिहार वन सेवा नियमावली, 2013 के सभी सुसंगत प्रावधान लागू होंगे।

6. वैसे अभ्यर्थी जो वर्तमान में किसी राज्य सरकार/भारत सरकार/सरकारी उपक्रम में कार्यरत है, उन्हें योगदान के समय संबंधित विभाग/संस्थान का विरमन आदेश/स्वीकृत त्याग पत्र/अनापत्ति प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा।

7. प्रत्येक अभ्यर्थी को योगदान के समय सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा निर्गत चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।

8. अभ्यर्थियों को योगदान के निमित कोई यात्रा भत्ता अनुमान्य नहीं होगा।

9. यदि इस अधिसूचना में कोई भूल अथवा टंकण आदि की त्रुटि परिलक्षित होती है, तो इसे तदनुसार संशोधित किया जायेगा।

उपर्युक्त प्रस्ताव पर विभागीय अपर मुख्य सचिव का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
सुबोध कुमार चौधरी, संयुक्त सचिव।

श्रम संसाधन विभाग

अधिसूचना

8 अप्रिल 2022

सं० 6/श्रम वि०आ०(01)-13/2020 श्र०सं०-01—श्रीमती गजाला शहाना, उप प्राचार्य, पदस्थापन की प्रतीक्षा में, को विभागीय अधिसूचना संख्या-68 दिनांक-29.06.2019 द्वारा प्रभारी प्राचार्य, महि०औ०प्र० संस्थान, बक्सर के पद पर पदस्थापित किया गया। परन्तु उक्त अधिसूचना के आलोक में उनके द्वारा पदस्थापित स्थल पर योगदान नहीं दिया गया। विभागीय पत्रांक-189 दिनांक-27.01.2020 द्वारा उनके चिकित्सीय अवकाश को अस्वीकृत कर पदस्थापित स्थल पर योगदान देने हेतु निदेश दिये जाने के बावजूद उनके द्वारा न तो पत्र का तामिला किया गया एवं न ही पदस्थापित स्थल पर योगदान किया गया। श्रीमती गजाला शहाना के इस कृत्य को सरकार की आदेश की अवहेलना एवं सरकारी सेवक के आचरण के विरुद्ध पाते हुए सक्षम प्राधिकार द्वारा उन्हें निलंबित करने का निर्णय लिया गया है। श्रीमती गजाला शहाना का यह निलंबन अनुशासनिक कार्यवाही के अधीन है।

अतएव श्रीमती गजाला शहाना, प्रभारी प्राचार्य, महि०औ०प्र० संस्थान, बक्सर को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-9 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।

3. निलंबन की अवधि में श्रीमती गजाला शहाना का मुख्यालय निदेशालय नियोजन एवं प्रशिक्षण (प्रशिक्षण पक्ष) होगा जहाँ वे नियमानुसार अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगी।

4. निलंबन की अवधि में श्रीमती गजाला शहाना को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-10 के प्रावधानों के अंतर्गत अनुमान्य निर्वाह भत्ता देय होगा।

5. श्रीमती गजाला शहाना नियंत्री प्राधिकार के पूर्वानुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगी।

6. प्रस्ताव में सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
श्री राजीव कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी।

पथ निर्माण विभाग

अधिसूचनाएं

5 अपील 2022

सं० 1/विविध-11/2011-1808(s)—बिहार लोक कार्य संविदा विवाद माध्यस्थ न्यायाधिकरण अधिनियम-2008 की धारा-3 की उपधारा-2 के अधीन श्री इन्दु भूषण कुमार, सेवा निवृत्त अभियंता प्रमुख, जल संसाधन विभाग, बिहार, पटना को बिहार लोक कार्य संविदा विवाद माध्यस्थ न्यायाधिकरण का सदस्य नियुक्त किया जाता है।

2. नियुक्त सदस्य का कार्यकाल पदग्रहण की तिथि से तीन वर्षों के लिए अथवा 70 (सत्तर) वर्ष की आयु तक जो पहले समाप्त होगी, वह कार्यकाल मान्य होगा।

3. सदस्य, बिहार लोक कार्य संविदा विवाद माध्यस्थ न्यायाधिकरण के अन्य सेवा शर्त पूर्ववत् रहेगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप सचिव (प्र०को०)।

5 अपील 2022

सं० 1 / विविध-11 / 2011—1810(s)—बिहार लोक कार्य संविदा विवाद माध्यस्थम् न्यायाधिकरण अधिनियम-2008 की धारा-3 की उपधारा-2 के अधीन श्री केदार बैठा, सेवा निवृत्त मुख्य अभियंता, पथ निर्माण विभाग, बिहार, पटना को बिहार लोक कार्य संविदा विवाद माध्यस्थम् न्यायाधिकरण का सदस्य नियुक्त किया जाता है।

2. नियुक्त सदस्य का कार्यकाल पदग्रहण की तिथि से तीन वर्षों के लिए अथवा 70 (सत्तर) वर्ष की आयु तक जो पहले समाप्त होगी, वह कार्यकाल मान्य होगा।

3. सदस्य, बिहार लोक कार्य संविदा विवाद माध्यस्थम् न्यायाधिकरण के अन्य सेवा शर्त पूर्ववत् रहेगी।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
दीपेश कुमार, उप सचिव (प्र०को०)।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट, 4—571+25-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>